दिलीप चिंचालकर

सोचते हैं प्राणी, सुनते हैं साँप दाँतों से बस हम ही अनजाने हैं सितारों से

फागुन जाते-जाते धूप काफी तेज़ हो गई है। फिर भी बगीचे में बेंच पर ठाठ से बैठी काकुल धूप सेंक रही है। साथ ही वह तितलियों, झाड़ियों में फुदकने वाली नन्ही चिड़ियों और मधुमक्खियों को बारीकी से देख रही है। वह बगीचे में हर किस्म के पत्तों को सूँघती और पहचानती है। दूब के अलावा वह नीम की सूखी पत्तियाँ, सफेद बोगनबेलिया की झड़ी पँखुड़ियाँ और जाने क्या-क्या चुनकर खाती है। वह जानती है कि उसके लिए कब-क्या अच्छा है। काकुल 12 वर्षीय अल्सेशियन है। *नेशनल ज्यॉग्रफिक* पत्रिका का ताज़ा अंक बताता है कि कुत्ते तीन सौ से ज़्यादा शब्द जानते हैं और गिन सकते हैं। वे घर के लोगों के अलावा मित्रों और रोज़ घर आने वालों को नाम से पहचानते हैं। कुत्ते सबसे होशियार माने जाने वाले चिम्पाज़ी और ओरांगउटान से भी जल्दी वस्तुओं और उनके नाम के बीच सम्बन्ध जोड़ सकते हैं। सामने टेलीफोन के खम्भे पर बैठा नीलकंठ पिछली बातें याद रख कल के नाश्ते की प्लानिंग कर सकता है। अमरूद के पेड़ पर शोर मचाता तोता रंग और आकार-प्रकार से फल की क्वालिटी के बारे में अन्दाज़ लगा सकता है। कौवे गिन सकते हैं और हाथी आईने में खुद को पहचान सकते हैं। मार्च के *रीडर्स डाइजेस्ट* में टेनीसी (अमरीका) की दो हथनियों की दोस्ती का किस्सा छपा है। जेनी और शर्ली 23 वर्षों बाद मिलीं और जेनी को ध्यान रहा कि बचपन में शर्ली ने कितने प्रेम से उसे सम्भाला था। आते-जाते जानवरों को अकारण छेड़ने वाले समझ लें कि प्राणी उनकी शरारतों को याद रखते हैं।

एक बच्चा स्कूल में जीवविज्ञान के टीचर को बताता है कि झींगुर पैरों से सुनता है। वो इसे सिद्ध कर सकता है। वह हथेली पर झींगुर को लेकर कहता है, "कूदो"। झींगुर उछल पड़ता है। फिर वह झींगुर के पैर तोड़ देता है और उससे कूदने को कहता है। झींगुर नहीं कूदता। "देखा, टाँगें नहीं होने से अब वह सुन नहीं सकता।" यह चुटकुला है लेकिन सच है कि बबूल की टहनियों से चिपके झींगुर सारा दिन अपने पंखों और टाँगों से साँय-साँय की आवाज़ करते रहते हैं। हमिंगबर्ड ऊँची उड़ान में अपनी दुम के पंखों से चहकने की आवाज़ निकालती है। एक ताज़ा खबर है कि साँप अपने दाँतों से सुनता है। वॉशबर्न विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ब्रूस यंग बताते हैं कि साँप का पूरा जबड़ा ही कान का काम करता है। ज़मीन पर ठुड्डी टिकाए हुए वह मज़े से जंगल में गिरते पत्ते, फुदकते खरगोश या ज़मीन पर कीड़े ढूँढते हुए पक्षियों को सुन सकता है। इसे समझने के लिए ध्यान करो कि जब कोई चम्मच को दाँतों तले दबाता है तो उसकी आवाज़ कानों से नहीं, दाँतों से सुनाई देती है।

गर्मी के दिन आ गए हैं। रात में जब-जब बिजली गुल हो जाया करेगी, तब मच्छर काटने या टीवी न देख पाने की शिकायत करने की बजाय आकाश में तारे देखना बेहतर होगा। अभी मार्च महीने के शुरू में अमरीका के एक बड़े हिस्से ने रात को एक घण्टे के लिए बत्तियाँ बुझा दीं। ताकि लोग तारे देख सकें। पिछले जाड़ों की शुरुआत में ग्रेट वर्ल्डवाइड स्टार काउंट का आयोजन हुआ था। हम दुनिया के आकाश को उत्तरी और दक्षिणी, दो गोलार्द्धों में बाँट सकते हैं। दुनिया भर के लोगों से कहा गया था कि वे अपने-अपने आकाश में एक खास तारे से शुरुआत कर ज़्यादा-से-ज़्यादा तारे गिनने की कोशिश करें। इसे कई लोग सनक कह सकते हैं। दुनिया इस शगल की दीवानी हो गई और 66 हज़ार से ज़्यादा लोगों ने आयोजकों को ई-मेल कर अपनी-अपनी रिपोर्ट दी। वैसे तो आकाश में हज़ारों-हज़ार तारे हैं परन्तु पृथ्वी से हम लगभग 14 हज़ार तारे गिन सकते हैं। स्टार काउंट के कारण कई बच्चों ने पहली बार इतने सारे तारे देखे और उनके बारे में जाना। कई बड़े-बूढ़ों ने अपने नक्षत्र-ज्ञान पर से धूल झाड़ी और कई

पापा-मम्मिओं को टेलीस्कोप खरीदने पड़े। रात का तारामय गहरा नीला आकाश है ही जादुई। बत्तियों की जगमगाहट के कारण शहर उसे खो चुके हैं। इसलिए रात बत्ती गुल हो जाए तो उसे एक रुपहला मौका समझना आकाश में टहलने के लिए। चक मक

मार्च अंक की चित्र पहेली के हल

प		गु	ठ	ली			बा	घ
ग	म	ला		ट	मा	ट	र	
ड़ी		ब		र		न	ह	र
	चाँ		श		क			ज
बा	द	शा	ह		क	स	र	त
रा			र	ब	ड़ी		स्सी	
त	रा	जू		न		हि		को
	ज		बा	जा		र	ब	र
रु	मा	ल		रा	व	ण		स

इतिहास के स्रोतों से

"जब बादशाह अकबर की मौत हुई" में पूछे गए सवालों के जवाब

1. लोग इतने डरे हुए थे क्योंकि वे सोचते थे कि अब उनका राजा कौन बनेगा और उन्हें यह भी डर रहता था कि अब उनकी रक्षा कौन करेगा।
2. बनारसी ने किवाड़ के लिए *कपाट* शब्द का इस्तेमाल किया है, गहने के लिए हीरे-जवाहरात और बादशाह के लिए छत्रपति।

इस लेख में *खेस* शब्द मोटे सूती वस्त्र के लिए इस्तेमाल किया गया था।

राधा शर्मा, आठवीं, मथुरा, उ.प्र.

बनारसी ने अपनी कविता की इस पंक्ति में गहनों का ज़िक्र किया है:
भले बस्त्र अरु भूसन भले। ते सब गाड़े धरती तले।।
तुम देख सकते हो कि बनारसी ने हीरे-जवाहरात शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है। फिर वो कौन-सा शब्द है? राधा के सराहनीय प्रयास को देखते हुए हम उसे एक आकर्षक पुरस्कार भेज रहे हैं।